

एक ही आ रात

ब 6  
सि

पहले जमी कर्मचारी को प्रेक्षा हुई। बाकी का नाम ही नहीं लिखा  
जाता है। निम्न प्रकार से आशिक पत्र लिखा। पहला पत्र  
शुभारंभ के साथ शुरू है। यह है (यह) वह आशिक लेख  
गोपनीय है। ०५

राजस्थान सरकार

( आदेश 20 के नियम 6 और 7 )

( न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर, कोटकासिम )

( पीठासीन अधिकारी लोक अदालत/कैम्प कोर्ट ) कैम्प, श्रीविक्रम

पीठासीन अधिकारी श्री विश्वा मित्र शर्मा R.A.S  
उन्वान श्री  
रामकुमार बनाम श्री

दावा बाबत:- 188 R.S. Act.

मुकदमा नम्बर:- 166/17

निर्णय दिनांक:- 8.6.2018

वादी की ओर से श्री विश्वा मित्र शर्मा की व प्रतिवादी की ओर से श्री

की उपस्थिति में आज तारीख 8.6.2018 को श्री विश्वा मित्र शर्मा ( नाम पीठासीन अधिकारी ) के समक्ष अन्तिम

निपटारे के लिए पेश होने पर, आदेश किया जाता है और डिग्री दी जाती कि श्री विश्वा मित्र शर्मा द्वारा श्री

269/0-02 बिस्वा वाले श्री विश्वा मित्र शर्मा तस्सीन कोटकासिम में वादी का

श्री विश्वा मित्र शर्मा को श्री द्वारा श्री द्वारा श्री

श्री विश्वा मित्र शर्मा को श्री द्वारा श्री द्वारा श्री

श्री विश्वा मित्र शर्मा को श्री द्वारा श्री द्वारा श्री

श्री विश्वा मित्र शर्मा को श्री द्वारा श्री द्वारा श्री

श्री विश्वा मित्र शर्मा को श्री द्वारा श्री द्वारा श्री

खर्चा पक्षकारन अपना-अपना वहन करेंगे ।

यह आज तारीख 8.6.2018 को मौ हस्ताक्षर से ओर न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

श्री विश्वा मित्र शर्मा R.A.S

पीठासीन अधिकारी  
उपखण्ड अधिकारी एवं  
पदेन सहायक कलक्टर, कोटकासिम

वाद के खर्चे